

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 07:51

: 0000 000000 000 000 00 000000 000 000 000000000000 000000 : 00000000000000
000000 00 0000000 000 00 000000000000 00000 0000: 00 000000 00000000 00000000 00
000 000 00 000000000000000000 0000 00000 00 00000 0000000000000 : 00000000000000
000000000 - 00 :

000000 000000

00000 : जनि डॉकू टरों क श्रीगणेश ही धोखाधड़ी वाली लूप-लाइन यानी चोर-गली से होगा, वे अलू ट्रासाउंड की मशीन में केवल गैरकनूनी कम ही तो करेंगे आपके पास अलू ट्रासाउंड की डगिरी है या नहीं, अब यह बहस छोड़ने क जमाना बीत चुक है डगिरी गयी भाड़ में, अब तो केवल अप्सरों की जेब भरने केला झोला-भर नोटों की जरूरत पड़ती है इसके बाद फिर धंधेबाजों की पौ-बारह हो जाती है पैसा पैकिये, तमाशा देखिये पान-चाय की दूकन की तरह अलू ट्रासाउंड वाली गुमटी लगा कर नोट छापने की मशीन बन जाइये और फिर इसके बाद यह कहने की जरूरत नहीं कि इस तरह सरिफ और सरिफ ऐसे गैरकनूनी कम ही किये जा सकते है, जनिसे पीसीपी नडीटी कनून की धज्जियां उड़ जा

0000000000 00 000000 000000 00 0000000 000 000 00000000 0000, 00 000000 00000000 00000 00
000000 00000000 :-

00000000

अब यह जग-जाहरि हो चुक है कि वर्तमान समय में प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में मडी रेडियोलोजी की डगिरी केला दो करो रुपये तक देकर दाखला हो जाता है और इनमें अधिकांश कॉलेजों में शक्ति का स्तर घटिया होता है इतना ही नहीं, भले ही यह कॉलेज सरकारी क्षेत्र क हो, या फिर नजि क्षेत्र में बने मेडिकल कलेजों क हो, दोनों ही मेडिकल कॉलेजेस में अलू ट्रासाउंड प्रशिक्षण की सुवधिया आज भी अपर्याप्त है इस कारण केवल मडी रेडियोलोजी की डगिरी होने से ही किसी डॉक्टर के ककबलि अलू ट्रासाउंड वशिषज्ज मान लेना सरासर गलत और त्रुटपूरण है

0000-0000 0000000 00000 00 00000000000000 0000 0000 00 00000 0000000 0000000 00 000000-00000000
0000000 0000, 00 000000 00000000 000000 00 0000000 0000000 :-

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 07:51

0000000000

जी हां, यह है कन या भ्रूण संरक्षण और कन या-भ्रूण हत् या नषिध कनून की जमीनी हकीकत केवल यूपी ही नहीं, बल्कि पूरे देश में यही हालत चल रही है। गर्भस् थ भ्रूण की स् वास् थ य-सम् बन् धी असलयित के परखने क मौक न किसी के पास है, और न ही किसी में इतना दम-खम होता है क वह इसकी जांच कराने की हैसयित जुटा सके। क गरिह की तरह संचालति होती है अल् ट्रासाउंड मशीनों लगाये व यापरयिों की सङ्कछाप दूकने धोखाधड़ी, अराजकता और इंसानी-भ्रूण के पेट में ही मार डालने वालों की कूर गीदड़ों-चीलों-गदिधों की जमात पैसा ही सारे कनूनों क टेंटुआ दबोच देता है। इसकेबाद तो जसिक जो भी मन करता है, वह इसक मनचाहा इस् तेमाल कर इस कनून की चदियां बखिर देता है।

000000 000000 00 0000 00 0000 0000 00 0000 000000 00 000000 00000000 00000000 00 000000 00000000 000000 00000000 :-

00000000 0000000 000000 00

इसक खुलासा तब हुआ जब प्रमुख न यूज पोर्टल मेरी बटिया डॉट कॉम ने पूरे देश और खास तौर पर यूपी के सभी जिलों में सरकारी कगजों और वहां दर्ज सूचनाओं क जायजा लया। मेरी बटिया डॉट कॉम ने इस अभयान के तहत प्रदेश के सभी मुख् य चक्ति सा अधकियों, मुख् य चक्ति सा अधीक्षकें, जलाधकियों, पीसीपी नडीटी के तहत गठति समति के पदाधकियों, सभी मेडिकल कॉलेजों तथा देश के सभी म् स और भारतीय चक्ति सा परिषद तथा सभी प्रदेशों के चक्ति सा परिषदों से इस बारे में वस् तूत जानकरियां हासलि करने क प्रयास किया था।

इस प्रयास के तहत जो भी सूचना मलिं, वे हैरतनाक आश् चर्यजनक होने के साथ ही प्रशासनिक व सरकारी कामकज के बेहद अराजक और खतरनाक स् तर तक की थीं। इन सूचनाओं से साफ स् पष् ट होता है क कन या भ्रूण के संरक्षण और कन या भ्रूण हत् या के खिलाफ झंडा उठाने वाले पीसीपी नडीटी कनून के अनुपालन की असलयित क् या है। साफ पता चला है क जसि कनून के कन या भ्रूण हत् या रोक्ने के उद्देश् य के ली बनाया और लागू कराया गया था, वह अपंग साबति हो रहा है।

0000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 000000 000000 00 000000 000000 :-

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 10 July 2018 07:51

000000 000000000000

इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि कब की संख्या में अपनी डिग्री के आधार पर रेडियोलॉजिस्ट कहलाये जाने वाले तथा अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ माने जाने वाले ऐसे डॉक्टरों को पीसीपी नडीटी क्ट में रेडियोलॉजिस्ट की श्रेणी में रजिस्टर्ड होना इस क्ट का उल्लंघन है तथा तथ्यों को छुपाकर या अनदेखा कर शासन की आँखों में धूल झाँकने जैसा है।

00000000 0000000000000000 000000 00 00000 00 00000 0000000000 00 00 00000 00 0000 00, 00000 0000 00 0000 0000 000000 000000 00 00000000 00 0000 00000000 000000 00 00000000 000000 00 0000 0000 00 00000000 00 00000000 00 000000 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 0000 00 000000 000000 000000 000000 :-

00000000 000000 00 0000000000

000 0000 000000 00 00000 00 0000 0000 00000000 0000 00000000 00 00000 00000 00000000 -00000000 00000 -00000 00 00000000 000000 00000 00000000000000 00 0000000000 000000000000 00 0000000000 00 00000 00000000 00 00 00000000 000000 000000 000000 000000 000000 000000 000000 000000 000000 :-

00000000 -000000